



Letter No. 438/Sec-MH/2020

Dated 04 June. 2020

सेवा में

1. समस्त जिला अधिकारी, उत्तराखण्ड।
2. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी उत्तराखण्ड।

**विषय: डेंगू रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु कार्यवाही विषयक।**

महोदय/महोदया,

जैसा कि आप विदित है कि विगत वर्षों से डेंगू रोग राज्य में एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या के रूप में परिलक्षित हो रहा है। इसी क्रम में अवगत कराना है कि माह जून से नवम्बर तक का समय डेंगू वायरस के संक्रमण के लिये अनुकूल होता है। आप सभी अवगत है कि वर्तमान में कोविड-19 संक्रमण भी प्रसारित हो रहा है। अतः आगामी माहों में डेंगू रोग के प्रसारित होने की सम्भावना को देखते हुए समस्त जनपदों में डेंगू रोग के समयान्तर्गत व प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु कोविड-19 से बचाव दिशा निर्देशो अनुसार कार्यवाहियां की जानी है। कोविड-19 के परिवेश में डेंगू रोग रोकथाम किये जाने हेतु दिशा निर्देश संलग्न है। डेंगू रोग की रोकथाम हेतु निम्न कार्यवाहियां करना सुनिश्चित करें:

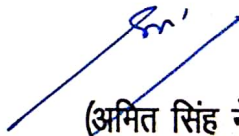
1. राज्य में डेंगू रोग को Notifiable Disease घोषित करने की अधिसूचना "उत्तराखण्ड महामारी (मलेरिया एवं डेंगू) विनियम 2019" दिनांक 27 सितम्बर 2019 (संलग्न) को जारी की जा चुकी है जिसमें निहित समस्त तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्यवाहियों का जनपद स्तर पर क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करें।
2. डेंगू रोग पर रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु ब्लाक वार Micro Plan बनाकर कार्यवाहियां करना सुनिश्चित करें व उक्त माइक्रोप्लान राज्य एन0वी0बी0डी0सी0पी0 यूनिट को प्रेषित किये जायें।
3. नगर निगमों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जाये ताकि डेंगू रोग के मच्छरों को पनपने से रोका जा सके।
4. डेंगू रोग पर नियंत्रण हेतु लार्वा निरोधात्मक कार्यवाहियां (सोर्स रिडक्शन) एक कारगर व उपयुक्त उपाय है, जिसके लिए गत वर्ष की भांति डेंगू संवेदनशील जनपदों में आशाओं व निगर निगम/नगर पालिका के कर्मचारी के सहयोग से लार्वा निरोधात्मक कार्यवाहियों को अभियान की तरह संचालित किया जाये।
5. डेंगू रोग को महामारी का रूप लेने से रोकने के लिए नगर निगम द्वारा आवश्यकतानुसार फॉगिंग की जाये।
6. जनजागरूकता व जनसहभागिता हेतु आई0ई0सी0 संसाधनों का समुचित व समयान्तर्गत उपयोग करें।
7. डेंगू रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग के साथ अन्य विभागों जैसे नगर निगम, शिक्षा विभाग, ग्राम्य एवं शहरी विकास, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, लोक निर्माण, जल संस्थान, जल निगम आदि के सहयोग व अंतर्विभागीय समन्वय हेतु जनपद स्तर पर बैठकों का समय से आयोजन किया जाए व उनके कार्यवृत्त राज्य एन0वी0बी0डी0सी0पी0 यूनिट को प्रेषित किये जायें।
8. डेंगू के उपचार एवं नियंत्रण हेतु भारत सरकार की गाईडलाइन "National Guidelines for Clinical Management of Dengue fever" (संलग्न) को समस्त राजकीय एवं निजी चिकित्सालायों/चिकित्सकों को आवश्यक कार्यवाहियों हेतु उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
9. जनपदों के चिकित्सालायों (जिला/बेस व मेडिकल कालेज) में भारत सरकार की गाईडलाइन के अनुसार आवश्यक कार्यवाही जैसे पृथक डेंगू आईसोलेशन वार्ड तैयार कर मच्छरदानी (LLIN) युक्त पर्याप्त बेड की

उपलब्धता, Standard Case Management आदि सुनिश्चित करें एवं डेंगू आइसोलेशन वार्ड के लिए नोडल अधिकारी नामित करें।

10. डेंगू पीडित गम्भीर रोगियों (DHF/DSS) हेतु Platelets की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
11. डेंगू जांच केन्द्रों में समय से आवश्यक सामग्री जैसे ELISA जांच किट व अन्य जांच सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।
12. डेंगू रोगियों की शुरुआती चरण में पहचान हेतु फीवर सर्वे किये जायें, लक्षणों के आधार पर डेंगू रोग की संदिग्धता होने पर जांच की जाये।
13. डेंगू रोगी पाये जाने की स्थिति में रोगी के घर के आस-पास लगभग 50 घरों की परिधि में आवश्यक रूप से Space/Focal Spray कराने के साथ साथ जनपदीय आर0आर0टी0 द्वारा क्षेत्र में सघन फीवर सर्विलेन्स एवं लार्वा निरोधात्मक कार्यवाहियां (सोर्स रिडक्शन) कराएँ।
14. डेंगू रोग की रोकथाम के लिए आम जनमानस का सहयोग अत्यन्त आवश्यक है व जन जागरूकता ही एक कारगर उपाय है। अतः आप अपने स्तर से प्रभावी प्रचार प्रसार करवायें। प्रचार प्रसार सामग्री की साफ्ट प्रति संलग्न।
15. स्वास्थ्य विभाग व आई0एम0ए0 प्रतिनिधियों/निजी चिकित्सालयों/पैथोलोजी लैबों के मध्य समन्वय बैठक (CME Meeting/Workshop) की जाये ताकि आमजन में डेंगू रोग के प्रति व्यापक भ्रान्ति/भय को दूर किया जा सके।
16. किसी भी प्रकार की आकस्मिक/आपातकालीन आवश्यकता के दृष्टिगत जनपद स्तर पर जिला कार्ययोजना में भी डेंगू के लिए अतिरिक्त बजट का प्रावधान किया जाये।
17. मीडिया को डेंगू सम्बन्धित संवेदनशील सूचनायें व सकारात्मक जानकारी सम्बोधित करने हेतु जनपद स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के किसी एक अधिकारी को Media Spokes person अधिकृत किया जाए।
18. जनमानस को डेंगू सम्बन्धित जागरूकता एवं समुचित जानकारी प्रदान करने के लिये राज्य मुख्यालय पर Integrated Helpline क्रियाशील है जिसका टोल फ्री नं० 104 है। इसी प्रकार जनपद स्तर पर डेंगू के संक्रमण काल (माह जून से नवम्बर तक) के दौरान कन्ट्रोल रूम स्थापित कर उक्त दूरभाष न० से राज्य एन0वी0बी0डी0सी0पी0 यूनिट को अवगत करायें।
19. डेंगू की दैनिक रिपोर्ट (केस शून्य होने पर भी) संलग्न प्रारूप पर सायं 4:00 बजे तक नियमित रूप से राज्य स्तर पर uknvdcp@gmail.com पर E-mail भेजना सुनिश्चित करें ताकि भारत सरकार की अपेक्षा अनुसार प्रतिदिन डेंगू की स्थिति से केन्द्र को अवगत कराया जा सके।

अतः उपरोक्तानुसार समयबद्ध कार्यवाही कर, कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

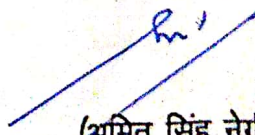
संलग्नक यथोपरि।

  
(अमित सिंह नेगी)

पत्र संख्या : तददिनांकित।

प्रतिलिपि:— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सचिव प्रभारी, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
2. महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड।
3. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखण्ड।
4. प्रभारी अधिकारी एन0वी0बी0डी0सी0पी0।

  
(अमित सिंह नेगी)



# Dengue / Chikungunya Prevention and Control

## COVID-19 scenario



### Current Situation and Guidelines

- **Prevention & Control of Vector Borne Disease (VBD)** is one of the essential health services to be continued during COVID-19 outbreak to protect community from VBDs. Currently Dengue is emerging as a major public health problem in the state.
- **Within each district, areas with COVID-19 cases will be defined as:**
  1. Containment zone
  2. Buffer Zone
  3. Areas beyond buffer zone

### Guiding Principles

1. Practices of social distancing, hand washing, and respiratory hygiene need to be maintained during all programmatic activities irrespective of district categorization by all (i.e. beneficiaries and service providers).
2. Passive surveillance, Early detection & Complete Treatment, Outbreak management, supply chain management of drugs /diagnostics and IEC of all

Programmatic activities		Containment Zone	Buffer Zone	Outside Buffer Zone
Surveillance	Sentinel Site/Health facility surveillance	To be continued as routine		
	Vector Surveillance	To be combined with COVID-19 activities		To be continued as routine
Diagnosis & Case Management		To be continued as routine		
IVM	Larval Source Reduction	To combine with COVID-19 activities after assessing COVID-19 situation & disease endemicity		To be continued as routine
	Fogging & Indoor Space Spray	To be undertaken only if COVID-19 situation permits		To be continued as routine
Epidemic Preparedness and Outbreak Management		To be continued as routine		
Supply Chain Management (Drugs & Diagnostics)		To be continued as routine		
IEC/BCC		To be continued wherever possible. May be combined with COVID-19 activities. Local authorities to also explore all channels of communication, e.g. Social media, online lessons for students, electronic media etc.		

VBDs at health facilities would continue irrespective of containment zones .

#### **A. Disease Surveillance:**

- All identified Sentinel Surveillance Hospitals (Diagnostic centres) should have adequate number of diagnostic kits (both NS1 & IgM for Dengue and IgM for Chikungunya).
- Syndromic and lab based surveillance should be initiated for early identification of Dengue/chikungunya Cases
- The line-list should be shared immediately with the VBD control Officers of Municipality/District/State level to carry out preventive measures in that area to contain the disease transmission.
- Involvement of Pvt. Sector should be ensured in surveillance
- Any case with co-infection of Dengue and COVID19 may be brought to the notice of the clinicians immediately.

#### **B. Vector Surveillance:**

- Larval Density of the *Aedes* vector to be monitored wherever feasible following the safety guidelines for COVID19.
- The positive containers to be treated with Temephos and to eliminate the source of breeding wherever possible.

#### **C: Integrated Vector Management**

- **Source reduction activities:**
  - States need to conduct source reduction activities to minimize the mosquitogenic conditions and destroy vector breeding sources, wherever possible.
  - At many places, VBD staff is involved in COVID19 activities. Source reduction activities can be combined with COVID-19 activities. Teams need to be formed and deputed in priority areas for source reduction activities.
  - Teams need to be well sensitized for precautions before visiting the field with requisite Personal Protection for COVID19 before undertaking VBD related activities.
  - Team members must use face masks, use sanitizers and wash their hands with soap frequently.
  - Teams should practice social distancing.
  - The outdoor containers filled with water need to be thoroughly checked for *Aedes* breeding.
  - While visiting any locality, teams need to sensitize the community members for preventing mosquitogenic conditions and for source reduction activities.

- **Personal Protection Measures:**

- Community members need to be sensitized on personal protection measures for Dengue and Chikungunya. While carrying out activities for COVID19, use of full sleeve clothings, repellents, bed nets during daytime etc. need to be emphasized.
- Community needs to be sensitized to avoid self-medication in case of any fever.

**D: Case Management**

For management of Dengue and Chikungunya cases and to avert deaths due to Dengue, National Guidelines need to be followed.

- Peripheral health facilities (e.g. PHCs/CHCs) should be sensitized for early referral of complicated Dengue cases to secondary/tertiary level care facilities.
- To manage the complicated Dengue cases, if any, Blood component may be required. Therefore, Blood banks should be informed to ensure availability of Blood components like platelets.

## Pledge for prevention and control of Dengue

Let us take a pledge to be aware about dengue and for taking small but effective measures to save ourselves, our families and our neighbors

1. I will not allow water to stagnate in and around my houses in containers
2. If I have to store water then I will cover it properly with tight lids
3. I will Check, clean, dry, scrub and refill the desert coolers
4. I will Check bird bath tubs, pots, vases, trays under refrigerators etc
5. I will not store solid waste on the roof to avoid mosquito breeding in rain water stagnation
6. I will Use full sleeved cloths
7. I will Use repellents, mosquito nets, wire meshes on doors and windows
8. I will Cooperate health workers during their visit to my home
9. I will motivate others
10. If I feel that I am infected with dengue I will not take any unnecessary medication and I will take medical consultation for treatment



Vector Borne Disease Control Programme  
National Health Mission  
Department of Medical Health and Family Welfare, Uttarakhand



उत्तराखण्ड सरकार

डेंगू का बुखार कर देता है शरीर का बुरा हाल  
डेंगू से बचें और अपने परिवार का रखें ख्याल



## डेंगू से बचाव के उपाय

- अपने घर में और आसपास पानी एकत्रित ना होने दें
- सभी पानी की टंकी, जल भंडारण की वस्तुओं को ढक कर रखें।
- सभी गुलदस्तों, पानी के बर्तनों एवं कूलर का सारा पानी सप्ताह में एक बार पूरी तरह खाली कर दें और उन्हें सुखा कर फिर से भरें।
- ऐसे कपड़े पहने जो शरीर को ज्यादा से ज्यादा ढक सके।
- डेंगू रोग के लक्षण होने पर चिकित्सकीय परामर्श लें और बिना चिकित्सकीय परामर्श के कोई दवा ना लें।

## डेंगू बुखार के लक्षण

- तेज बुखार
- सर दर्द, बदन दर्द
- मांसपेशियों तथा जोड़ों में दर्द
- आंखों के पिछले भाग में दर्द
- शरीर पर लाल चकत्ते
- जी मिचलाना और उलटी



## डेंगू होने के बाद क्या करें?

- चिकित्सकीय परामर्श लें
- अधिक मात्रा में पानी पिए
- पौष्टिक आहार का सेवन करें
- ज्यादा से ज्यादा आराम करें



वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम  
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड



उत्तराखण्ड सरकार